

सेहरा बाँधना क्रि. (देश.) 1. दूल्हे को सजाने या उसे तैयार करने का काम, शादी होना 2. विजयी होना।

सेहरा बाँधाई स्त्री. (देश.) सेहना बाँधने का नेग जो सेहरा पहनाने वाले का होता है, वर को सेहरा पहनाने की रीति।

सेहरी स्त्री. (देश.) एक तरह की मछली।

सेहवन पुं. (तद्.) सेहुआँ रोग।

सेहा पुं. (देश.) सेंहा, कुआँ खोदने वाला मजदूर।

सेहियान पुं. (देश.) खलिहान साफ करने की बुहारी।

सेही स्त्री. (तद्.) साही नामक जंतु, बिल्ली से कुछ बड़ा जानवर जिसका शरीर अपने बचाव के लिए तेज लंबे काँटों से भरा रहता है, जो जमीन में माँद बना कर रहता है।

सेहुआ पुं. (देश.) शरीर पर होने वाला एक चर्म रोग जिसमें शरीर पर भूरी-भूरी महीन चित्तियाँ सी पड़ जाती हैं।

सेहुड़ पुं. (देश.) एक प्रकार का वृक्ष, सेंहुड, थूहर, स्वही; नागफनी।

सेहुआ पुं. (देश.) एक चर्मरोग जिसके कारण चमड़ी खराब होकर सफेद तक पड़ जाती है या उस पर सफेद, लाल चकते या धब्बे पड़ जाते हैं।

सेहुआन पुं. (देश.) एक प्रकार का करम-कल्ला जिसके बीजों से तेल निकलता है।

सेहुड़ पुं. (तद्.) थूहर, स्नुही।

सैं पुं. (देश.) प्रति, के लिए, समान, तुल्य।

सैंगर पुं. (तत्.) 1. पति 2. बबूल की फली, एक प्रकार का पौधा जिसकी फलियों की तरकारी बनती है।

सैंजल वि. (देश.+तत्.) 1. जलयुक्त, आर्द्र, गीला 2. कोमल, नरम।

सैंडल वि. (अं.) सामान्यतया महिलाओं के, पैर के अगले भाग को पूरी तरह ढँकने वाली चप्पल, उक्त प्रकार की फीते वाली चप्पल।

सैंडविच स्त्री. (अं.) डलब रोटी के दो टुकड़ों के बीच में (पनीर, टमाटर, रखकर आदि) खाने की कोई वस्तु।

सैंडो वि. (अं.) बिना बाँहों की बनियान।

सैंतना स.क्रि. (देश.) सँभालना, सहेजना, सँभाल और सहेज कर रख लेना, सँभाल कर ठीक जगह पर रखना; सैंतना, संचित करना, इकट्ठा करना, समेटना, बटोरना।

सैंतालीस पुं. (तद्.) सैंतालीस की संख्या, 47 चालीस और सात।

सैंतालीसवाँ वि. (तद्.) क्रम संख्या 47 पर स्थित कोई वस्तु, व्यक्ति आदि।

सैंतीस पुं. (तद्.) सैंतीस की संख्या, 37 तीस और सात।

सैंतीसवाँ वि. (तद्.) क्रम संख्या 37 पर स्थित कोई वस्तु, व्यक्ति आदि।

सैंतुक वि. (तद्.) प्रत्यक्ष।

सैंदूर वि. (तत्.) सिंदूर, इंगूर, सिंदूर से रँगा हुआ, लाल रंग का, सिंदूरी सिंदूर के रंग वाला।

सैंधपति पुं. (तत्.) सिंधु प्रदेश का राजा, जयद्रथ।

सैंधव पुं. (तत्.) 1. सिंधु का 2. सिंधु या समुद्र-संबंधी 3. सिंधु में उत्पन्न 4. सिंधु प्रदेश का घोड़ा 5. सिंधी घोड़ा, सिंधु प्रदेश के निवासी 6. सेंधा नमक, लाहौरी नमक वि. समुद्र में उत्पन्न।

सैंधवक पुं. (तत्.) सिंध का नीची जाति का नागरिक वि. सिंध-निवासियों से संबंधित कोई व्यक्ति, सैंधव संबंधी।

सैंधवायन पुं. (तत्.) एक प्राचीन ऋषि का नाम इसी नाम के ऋषि का वंशज।

सैंधवी स्त्री. (तत्.) संपूर्ण जाति की एक रागिनी जिसे भैरव राग की पुत्र-वधू माना जाता है।